अध्याय - 7| भारत की सांस्कृतिक जड़ें

QUIZ PART-06

1. **किस जातक कथा में बुद्ध वानरों के राजा के रूप में प्रकट होते हैं?**
 A. सिंह–राज की कथा
 B. वानर–राज की कथा
 C. चोर की कथा
 D. दानवीर राजा की कथा (B)

व्याख्या : इस भाग में प्रस्तुत जातक कथा में बुद्ध वानरों के राजा बने हुए हैं, जो अपने समूह की रक्षा करते हैं।

2. **वानर–राज ने अपने वानरों को बचाने के लिए क्या किया?**
 A. राजा से युद्ध किया
 B. वृक्ष गिरा दिया
 C. स्वयं को पुल बना दिया
 D. नदी रोक दी (C)

व्याख्या : वानर–राज ने नदी के किनारे पेड़ को पकड़कर अपने शरीर को पुल की तरह बनाया ताकि वानर सुरक्षित पार जा सकें।

3. **वानर–राज के बलिदान को देखकर मानव राजा में क्या परिवर्तन आया?**
 A. वह युद्ध के लिए तैयार हुआ
 B. वह वानरों से नाराज़ हो गया
 C. वह उनकी निःस्वार्थता से प्रभावित हुआ
 D. उसने वानरों को पकड़ने का आदेश दिया (C)

व्याख्या : राजा वानर–राज के निःस्वार्थ बलिदान से प्रभावित होकर अपनी प्रजा के प्रति अपनी भूमिका पर विचार करने लगा।

4. **रोहिणेय कौन था?**
 A. एक राजा
 B. एक सैनिक
 C. एक बुद्धिमान ऋषि
 D. एक कुशल चोर (D)

व्याख्या : जैन कथा में रोहिणेय को एक अत्यंत कुशल चोर बताया गया है।

5. **रोहिणेय में परिवर्तन की प्रेरणा किससे मिली?**
 A. सेना से
 B. मंत्री से
 C. महावीर के उपदेशों से
 D. व्यापारी से (C)

व्याख्या : महावीर के शब्दों ने उसके भीतर परिवर्तन का बीज बोया, जिससे वह सुधरने की दिशा में आगे बढ़ा।

6. **रोहिणेय ने अपने अपराधों के बाद क्या किया?**
 A. नगर छोड़कर भाग गया
 B. चोरी जारी रखी
 C. महावीर के पास जाकर क्षमा माँगी
 D. सैनिक बन गया (C)

व्याख्या : अपराध स्वीकार करने के बाद उसने चुराया धन लौटाया और महावीर से क्षमा माँगकर भिक्षु बन गया।

7. **जैन और बौद्ध दोनों मतों में अहिंसा का अर्थ क्या है?**
 A. युद्ध न करना
 B. केवल जलचर जीवों की रक्षा
 C. विचारों और भावनाओं में भी हिंसा न रखना
 D. केवल मनुष्यों को न मारना (C)

व्याख्या : दोनों मतों में अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा तक सीमित नहीं, बल्कि विचारों और भावनाओं की शुद्धता पर भी बल देती है।

8. **चार्वाक दर्शन किस मुख्य विचार पर आधारित है?**
 A. आत्मा अमर है
 B. पुनर्जन्म होता है
 C. भौतिक जगत ही एकमात्र सत्य है
 D. ईश्वर सर्वव्यापी है (C)

व्याख्या : चार्वाक (लोकायत) दर्शन का मत है कि केवल भौतिक जगत ही सत्य है, मृत्यु के बाद किसी जीवन की संभावना नहीं।

9. **चार्वाक दर्शन को व्यापक लोकप्रियता क्यों नहीं मिली?**
 A. यह बहुत जटिल था
 B. यह केवल राजाओं तक सीमित था
 C. इसके विचार समाज में स्वीकार्य नहीं थे
 D. यह लिखित रूप में उपलब्ध नहीं था (C)

व्याख्या : भौतिकवादी विचारों के कारण यह मत समाज में अधिक स्वीकार्य नहीं हुआ और समय के साथ विलुप्त हो गया।

10. **इस भाग के 'विचार करें' अनुभाग में किस प्रकार के विचारों को नियंत्रित करने की बात कही गई है?**
 A. केवल सकारात्मक विचारों को बढ़ाना
 B. नकारात्मक विचारों को पहचानकर उन्हें सकारात्मक बनाना
 C. केवल धार्मिक विचार रखना
 D. दूसरों के विचार बदलना (B)

व्याख्या : पाठ में कहा गया है कि मन में आने वाले नकारात्मक विचारों को सकारात्मक रूप में परिवर्तित करना सीखना चाहिए।

मिशन ज्ञान जब चाहे, जहाँ चाहे, जैसे चाहे! 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App